संख्या-35/2020/775/71-2-20-30/2018

प्रेषक,

डॉ0 रजनीश दुबे,
प्रमुख सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

कुलसचिव,
किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2 लखनऊ : दिनांक 26 मार्च, 2020

विषय- नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट फार बर्न इंजरी के अंतर्गत के0जी0एम0यू0 हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 में उपकरण एवं संयंत्र मद में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्रांक 478/71-2-20-30/2018, दिनांक 18 मार्च, 2020 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- चिकित्सा विश्वविद्यालय के पत्रांक 11172/योजना अनु0/2020, दिनांक 20 जनवरी 2020 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के क्रम में शासनादेश संख्या-478/71-2-20-30/2018, दिनांक 18 मार्च, 2020 द्वारा मानकीकृत विशिष्टिताओं से अनाच्छादित उपकरणों की सूची अनुमोदित किये जाने के आदेश निर्गत किये गये है।

3- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय के उक्त पत्र दिनांक 20 जनवरी 2020 में उल्लिखित मानकीकृत विशिष्टिताओं से आच्छादित एवं शासनादेश संख्या-478/71-2-20-30/2018, दिनांक 18 मार्च 2020 द्वारा अनुमोदित अनाच्छादित उपकरणों के क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 में अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत के0जी0एम0यू0 लखनऊ में नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट फार बर्न इंजरी (के.60/रा.40-के.+रा.) के मानक मद '26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र' में प्राविधानित धनराशि रू0 57,**00,000.00**/- (रूपया सत्तावन लाख मात्र) की धनराशि अवमुक्त किए जाने की राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1) वास्तविक आवश्यकता/उपयोगिता के आधार पर ही सम्बन्धित उपकरणों के क्रय की कार्यवाही विश्वविद्यालय के स्तर से नियमानुसार सुनिश्चित की जायेगी।
2) जिन उपकरणों के स्पेशिफिकेशन निर्धारित कर दिये गये हैं, उनके संबंध में तदनुसार ही कार्यवाही की जायेगी तथा विश्वविद्यालय हेतु सुसंगत उपकरण/संयंत्र मद में प्राविधानित सीमा तक ही उपकरणों का क्रय किया जायेगा एवं किसी भी परिस्थिति में प्राविधानित धनराशि से अधिक का आहरण/व्यय नहीं किया जायेगा।
3) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा, जब उपकरण क्रय संबंधी समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति विश्वविद्यालय द्वारा कर ली जाये।
4) स्वीकृत धनराशि को पी0एल0ए0/बैंक/डाकघर आदि में किसी भी दशा में नहीं रखा जायेगा।
5) वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 22-03-2019 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

6) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिकाओं के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय, आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार किया जायेगा।

7) प्रस्तावित उपकरणों की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कुलपति/ कुलसचिव/ वित्त अधिकारी/ संबन्धित विभागाध्यक्ष की होगी।

8) दर अनुबन्ध/निविदा निर्गत होने से पूर्व वित्त अधिकारी द्वारा सम्बन्धित विभागाध्यक्ष से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेगें कि प्रस्तावित उपकरण किसी एक विशेष कम्पनी की विशिष्टियॉ न हो तथा बाजार में उपलब्ध उच्च स्तर की कम्पनियों की विशिष्टियों (Technical Specifications) का यथासम्भव समावेश किया जाये।

9) वित्त अधिकारी द्वारा सी0वी0सी0 एवं वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा समय-समय पर इस सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

10) संबंधित उपकरण/संयंत्र के क्रय में सुसंगत वित्तीय नियमों, उ0प्र0 प्रोक्योरमेन्ट मैनुअल (प्रोक्योरमेन्ट आफ गुड्स) 2016 के प्राविधानों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा निर्गत ई-टेण्डर/ई-प्रोक्योरमेन्ट/गवमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल से संबंधित समय-समय पर निर्गत सुसंगत अद्यतन शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

11) कुलपति/कुलसचिव/वित्त अधिकारी द्वारा क्रय हेतु भण्डार क्रय नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

12) प्राइज जस्टिफिकेशन संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराना कुलसचिव/वित्त अधिकारी/ विभागाध्यक्ष /मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी होगी।

13) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि उपकरणों का क्रय किए जाने में व्यापक प्रचार प्रसार किया गया हो और उपकरणों का क्रय न्यूनतम मूल्य पर किया जाय।

14) उक्त उपकरणों का क्रय किए जाने के सम्बन्ध में समस्त औपचारिकताएं नियमानुसार पूर्ण किए जाने के पश्चात्, यदि उपकरण क्रय के पश्चात् धनराशि की बचत होती है तो इस संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

15) उपकरणों का क्रय सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त कर किया जायेगा। किसी भी स्थिति में स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा।

16) वर्तमान वित्तीय वर्ष में उक्त निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र (क्रयादेश/ उपकरण स्थापना की सूचना सहित) यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

17) प्रोपराइटरी श्रेणी के कार्य के शिड्यूल आफ रेट्स उपलब्ध नहीं होते है तथा इनके मेक, माडल एवं स्पेसीफिकेशन के अंतर से लागत में अन्तर आना स्वाभाविक है। अतः इनका क्रय एवं स्थापना सुसंगत वित्तीय नियमों के आधार पर सुनिश्चित की जाय।

18) स्वीकृत धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार एवं व्यय नियमानुसार किया जायेगा तथा इसका उपयोग उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी अन्य मद में व्यय वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी।

19) के0जी0एम0यू0 द्वारा प्रस्तावित उपकरणों का क्रय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2019-20 में सुसंगत मद में प्राविधानित धनराशि की सीमा तक ही किया जायेगा।

20) रू0 50.00 लाख के ऊपर अनुमानित क्रय मूल्य के समस्त उपकरणों हेतु निविदा निर्गत करने से पूर्व 'प्री-बिड' कान्फ्रेंस अनिवार्य रूप से आयोजित की जाय तथा उपकरण की निविदा विशिष्टताएं

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

ऐसी कमेटी से निर्धारित करायी जाय, जिसमें अनिवार्य रूप से कम से कम एक वाह्य विशेषज्ञ हो। रू0 05.00 करोड के ऊपर अनुमानित क्रय मूल्य के समस्त उपकरणों हेतु 'प्री-बिड' कान्फ्रेंस अनिवार्य रूप से 'कैमरे' में आयोजित की जाय तथा उपकरण की निविदा विशिष्टताओं हेतु गठित कमेटी में 03 वाह्य विशेषज्ञ सम्मिलित हो, जिसमें एक अनिवार्य रूप से प्रदेश के बाहर के हों।

21) उपकरणों के क्रय के संबंध में सुसंगत नियमों इत्यादि का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किये जाने की समस्त जिम्मेदारी कुलपति/कुलसचिव/वित्त अधिकारी की होगी।

4- धनराशि को कोषागार से वित्त अधिकारी, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आहरित किया जायेगा एवं बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक अनुमान अनुदान संख्या-31 -चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के पूँजी लेखाशीर्षक "4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-03-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-66-के0जी0एम0यू0, लखनऊ में नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट फार बर्न इंजरी (के.60/रा.40-के.+रा.)- 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयत्र " के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिहित किये गये अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ0 रजनीश दुबे)
प्रमुख सचिव।

संख्या-35/2020/775(1)/71-2-2020 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद
2. प्रधान महालेखाकार (सिविल आडिट) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद।
3. महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
4. मुख्य कोषाधिकारी, क्लेक्ट्रेट, लखनऊ।
5. वित्त अधिकारी, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग-4/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(कुलदीप कुमार रस्तोगी)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in